

नम्बर व तारीख
जो इस हुक्म में

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख अहकाम
जो इस हुक्म की तारीख
में जारी हुए

लखी हेतु काफी अवसर प्राप्त हुए हैं। न्यायाधीशों में अतिरिक्त अवसर दिला जाकर पत्रावली वास्तव में लखी प्रतिभाषी वीर सिंह के 29/7/25 को पूरा हो।

11/7/25

पत्रावली प्रस्तुत। प्रो. रोजार वात 30/7/25। पत्रावली को अवलोकित किया। प्रो. रोजार वात द्वारा किनेस 16/5/25 को एक प्रो. पत्र धारा 136 Cr.P.C. प्रस्तुत कर विवेक किया कि न्यायालय द्वारा इससे सम्बन्धित उस्त प्रमाणों का अन्वेषण के लिए एक पत्र होने पर कि 25/7/25 को अतिरिक्त किया गया था। अतः प्रो. रोजार/प्रो. रोजार के विधिक वकील/उत्तराधिकारियों की जानकारी के लिए: प्रो. रोजार ~~का~~ शत्रु जिले पर सुना जाकर पत्रावली पर अतिरिक्त जादू लखी के द्वारा दिए गए। प्रमाण में एक वर्ष में अधिक का समय दिए जाने के उपरान्त भी प्रो. रोजार वात लखी पत्र के तत्पश्चात् करवाने से असमर्थ रहे हैं। इस हेतु पिछली पेशी पर प्रो. रोजार वात को न्यायाधीशों में अतिरिक्त अवसर भी लखी हेतु दिला गया था। लेकिन प्रो. रोजार वात अतिरिक्त वीर सिंह की तरफ जाकर भी असमर्थ रहे हैं। अतः पत्रावली लखी के अन्तर्गत 02-R-5 Cr.P.C. के तहत इनीस्तर प्रमाणों की जाती है। पत्रावली नम्बर 1/25 को अतिरिक्त वास्तव में पूरा है।

उपखण्ड अधिकारी
बीदासर